हंस चल्यो घर आपणे रोवो मती भाई भजन लिरिक्स

हंस चल्यो घर आपणे,
रोवो मती भाई।

दोहा – आया है जो जायेगें,
राजा रंक फकीर,
एक सिंघासन चढ़ चले,
एक बन्ध्या जाय जंजीर।
आज काल दिन पाँच में,
जंगल होसी वास,
ऊपर ऊपर हल चलें,
ढोर चरेंगे घास।
ये अवसर चेत्या नहीं,
और पशु ज्यूँ पा ली देह,
राम नाम जाणे बिना,
अंत पड़ी मुख खेह।
रज्जब किसको रोविये,
हँसिये कौन विचार,
गया सो आवे नहीं,
रया सो जावण हार।bd।।

हंस चल्यो घर आपणे,
रोवो मती भाई,
जो वहाँ सू यहाँ भेजिया,
ज्यों लिया है बुलाई,
हंस चलियो घर आपणे।bd।

खेल मंडियो बाजार में,
सब देखण आवे,
देख तमाशों घर चले,
क्यों नट पिछ्तावे,
हंस चलियो घर आपणे।bd।

राचमाल थाती धरे,
बरते नर भाया,
धणी रे सम्भाले आय के,
मत बदलो भाया,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हंस चलियो घर आपणे।bd।

सांपा संग गाया चरे,
संब ग्वाल चरावे,
धणी रे पिछाणे आयके,
भळ क्यूँ पिछतावे,
हंस चलियो घर आपणे।bd।

मेला में सुखराम केवे,
सब ही चल आवे,
लेवा देवा हैं नहीं,
फिर फिर पाछा जावे,
हंस चलियो घर आपणे।bd।

हंस चाल्यो घर आपणे,
रोवो मती भाई,
जो वहाँ सू यहाँ भेजिया,
ज्यों लिया है बुलाई,
हंस चलियो घर आपणे।bd।

गायक – देवरी धाम महाराज।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार।
आकाशवाणी सिंगर।
9785126052

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com